करियर शीट · CAREER SHEET

SSC JHT — Combined Hindi Translators Examination

संयुक्त हिंदी अनुवादक परीक्षा कर्मचारी चयन आयोग की वह भर्ती है जिससे हिंदी एवं अंग्रेज़ी दोनों पर पकड़ रखने वाला स्नातकोत्तर अभ्यर्थी भारत सरकार के मंत्रालयों एवं कार्यालयों में अनुवादक के पद पर जाता है। इस परीक्षा से कनिष्ठ...

इस करियर की पूरी जानकारी — स्कैन करें

वेतन, परीक्षा, कॉलेज, प्रवेश के रास्ते और आगे के कदम — सब पोर्टल पर।

career.gsssjethantri.in/#/career/ssc-jht

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेठन्तरी

Govt. Sr. Sec. School, Jethantri · ब्लॉक समदड़ी · बालोतरा (Block Samdari · Balotra)

www.gsssjethantri.in · career.gsssjethantri.in

सुशील कुमार शर्मा
प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. जेठन्तरी · मास्टर ट्रेनर
Principal, GSSS Jethantri · Master Trainer

श्री चेनाराम चौधरी
प्रधानाचार्य, डाइट बाड़मेर
Principal, DIET Barmer

श्रीमती संघमित्रा
वरिष्ठ व्याख्याता, डाइट बाड़मेर (सहयोग)
Sr. Lecturer, DIET Barmer (Support)

भरत चौधरी
अभिकल्पना व विकास · व्याख्याता (इतिहास)
Designed & developed · Lecturer (History)

🙏 विशेष धन्यवाद · SPECIAL THANKS

सुरेन्द्र सिंह राठौड़
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. कानाना

सुरेश कुमार सैन
व्याख्याता (भूगोल) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

वनिता कुमारी
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

कमलेश चौधरी
व्याख्याता (राजनीति विज्ञान) · रा.उ.मा.वि. टापरा

करियर मार्गदर्शन कार्यशाला, डाइट बाड़मेर (14–17 जुलाई 2026) में विकसित व लोकार्पित
Developed & unveiled at the Career Guidance Workshop, DIET Barmer (14–17 July 2026)

यह एक स्वतंत्र परियोजना है, जो सरकार की आधिकारिक करियर-मार्गदर्शन सामग्री पर आधारित है। · An independent project based on the Government's official career-guidance content.

1 यह करियर क्या है

संयुक्त हिंदी अनुवादक परीक्षा कर्मचारी चयन आयोग की वह भर्ती है जिससे हिंदी एवं अंग्रेज़ी दोनों पर पकड़ रखने वाला स्नातकोत्तर अभ्यर्थी भारत सरकार के मंत्रालयों एवं कार्यालयों में अनुवादक के पद पर जाता है। इस परीक्षा से कनिष्ठ हिंदी अनुवादक, कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी, कनिष्ठ अनुवादक, वरिष्ठ अनुवादक तथा हिंदी प्राध्यापक जैसे पद भरे जाते हैं। काम क्या है, यह समझना आसान है और उसका महत्त्व कम आँका जाता है: भारत सरकार का प्रत्येक आदेश, नियम, प्रतिवेदन एवं परिपत्र दोनों भाषाओं में जाना होता है, और वह अनुवाद इसी संवर्ग के हाथों होता है। राजभाषा नीति के कारण यह आवश्यकता वैधानिक है, केवल औपचारिक नहीं। इस पोर्टल के पाठकों के लिए इस परीक्षा की एक विशेष बात है: यह उन थोड़ी केंद्रीय परीक्षाओं में है जहाँ हिंदी माध्यम की पृष्ठभूमि बाधा नहीं, बल्कि सबसे बड़ी पूँजी है — बशर्ते अंग्रेज़ी भी साथ चलती रही हो, और यही शर्त इस पृष्ठ की सबसे महत्त्वपूर्ण चेतावनी है।

2 एक नज़र में

न्यूनतम योग्यता	हिंदी में स्नातकोत्तर, जिसमें स्नातक स्तर पर अंग्रेज़ी अनिवार्य अथवा वैकल्पिक विषय रही हो या परीक्षा का माध्यम रही हो; अथवा अंग्रेज़ी में स्नातकोत्तर जिसमें हिंदी उसी स्थिति में रही हो; अथवा किसी अन्य विषय में स्नातकोत्तर, हिंदी माध्यम एवं अंग्रेज़ी स्नातक स्तर पर विषय के रूप में (तथा इसका विपरीत संयोजन)
भर्ती संस्था	कर्मचारी चयन आयोग (एस.एस.सी.), भारत सरकार
आयु-सीमा	18 से 30 वर्ष। गणना की तिथि हर चक्र में बदलती है, इसलिए वह उसी वर्ष की विज्ञप्ति से देखें
आरंभिक वेतन	पद के अनुसार केंद्रीय पे मैट्रिक्स का लेवल 6 से लेवल 7 — मूल वेतन ₹35,400 से ₹44,900
माँग	चयन वस्तुनिष्ठ प्रश्न-पत्र एवं उसके बाद वर्णनात्मक अनुवाद एवं निबंध के प्रश्न-पत्र से

3 क्या-क्या चाहिए

रुचियाँ

- भाषा, अनुवाद एवं शब्दों की सटीकता में रुचि
- हिंदी एवं अंग्रेज़ी दोनों में पढ़ना एवं लिखना

- सरकारी दस्तावेज़ों एवं प्रशासनिक भाषा का काम

क्षमताएँ

- दोनों भाषाओं में समान अधिकार — केवल एक में पकड़ पर्याप्त नहीं
- अर्थ की सटीकता, क्योंकि सरकारी अनुवाद में एक शब्द का अंतर नियम का अर्थ बदल देता है
- पारिभाषिक शब्दावली सीखने एवं याद रखने की क्षमता

ज़रूरी कौशल

- हिंदी से अंग्रेज़ी एवं अंग्रेज़ी से हिंदी — दोनों दिशाओं में अनुवाद
- प्रशासनिक एवं विधिक पारिभाषिक शब्दावली
- दोनों भाषाओं में निबंध एवं सुसंगत लेखन
- व्याकरण की शुद्धता एवं वाक्य-रचना पर पकड़
- राजभाषा नीति एवं संबंधित निर्देशों की समझ
- कंप्यूटर पर हिंदी टंकण (यूनिकोड) — व्यावहारिक रूप से आवश्यक

4 कैसे पहुँचें

1. कक्षा 12 किसी भी संकाय से उत्तीर्ण करें। इस राह के लिए संकाय की कोई शर्त नहीं है।
2. स्नातक करते समय यह निर्णय लें, क्योंकि यही इस पूरी राह का निर्णायक बिंदु है: यदि आप हिंदी में स्नातकोत्तर करना चाहते हैं तो अंग्रेज़ी को स्नातक स्तर पर अनिवार्य अथवा वैकल्पिक विषय के रूप में अवश्य रखें, अथवा ऐसा पाठ्यक्रम लें जिसका माध्यम अंग्रेज़ी हो। और यदि अंग्रेज़ी में स्नातकोत्तर करना चाहते हैं तो हिंदी को उसी स्थिति में रखें। यह शर्त स्नातकोत्तर पर नहीं, स्नातक पर लगती है — और यही इसे ख़तरनाक बनाता है।
3. इसका उल्टा भी कह देना आवश्यक है: जिस विद्यार्थी ने स्नातक में दूसरी भाषा छोड़ दी, वह बाद में हिंदी अथवा अंग्रेज़ी में कितना भी अच्छा स्नातकोत्तर कर ले, इस पद के लिए पात्र नहीं होगा। यह ऐसी चूक है जिसे बाद में सुधारा नहीं जा सकता, और वह 18 या 19 वर्ष की आयु में हो जाती है जब इसका परिणाम दिखाई नहीं देता।
4. स्नातकोत्तर पूरा करें — हिंदी, अंग्रेज़ी अथवा कोई अन्य विषय, विज्ञप्ति में दिए गए संयोजनों के अनुसार। विस्तृत शब्दावली उसी चक्र की विज्ञप्ति में दी जाती है और उसे अपने अंक-पत्रों के साथ मिलाकर पढ़ना चाहिए, क्योंकि शर्त विषय के नाम पर नहीं, विषय की स्थिति पर टिकी है।
5. अनुवाद का नियमित अभ्यास आरंभ करें, और वह अख़बार अथवा साहित्य से नहीं बल्कि सरकारी सामग्री से करें — मंत्रालयों की वार्षिक रिपोर्ट, अधिसूचनाएँ एवं परिपत्र दोनों भाषाओं में उपलब्ध हैं और वही इस परीक्षा की वास्तविक सामग्री है।
6. आयु 18 से 30 वर्ष के बीच होनी चाहिए, और आयोग की विज्ञप्ति आने पर ऑनलाइन आवेदन करें।

प्रमुख परीक्षाएँ

- योग्यता की शर्त इस परीक्षा की एकमात्र सबसे महत्त्वपूर्ण बात है और उसे शब्दशः समझना आवश्यक है। विज्ञप्ति कहती है: हिंदी में स्नातकोत्तर, जिसमें अंग्रेज़ी स्नातक स्तर पर अनिवार्य अथवा वैकल्पिक विषय रही हो या परीक्षा का माध्यम रही हो; अथवा अंग्रेज़ी में स्नातकोत्तर जिसमें हिंदी उसी स्थिति में रही हो; अथवा हिंदी या अंग्रेज़ी से भिन्न किसी विषय में स्नातकोत्तर, जिसमें हिंदी माध्यम रहा हो एवं अंग्रेज़ी स्नातक स्तर पर विषय रही हो। ध्यान दें कि हर विकल्प में एक शर्त स्नातक स्तर पर लगती है। अर्थात् यह परीक्षा आपकी स्नातकोत्तर डिग्री ही नहीं, आपके स्नातक के अंक-पत्र को भी देखती है।
- इस शर्त का व्यावहारिक अर्थ इस पोर्टल के पाठकों के लिए बहुत सीधा है। बहुत-से विद्यार्थी स्नातक में अंग्रेज़ी को केवल इसलिए छोड़ देते हैं कि वह कठिन लगती है अथवा अंक कम आते हैं। वह निर्णय हिंदी अनुवादक का यह पूरा संवर्ग बंद कर देता है — और यह बात उन्हें प्रायः स्नातकोत्तर पूरा करने के बाद पता चलती है, जब कुछ नहीं किया जा सकता। इसीलिए यह पृष्ठ इसे तीन स्थानों पर दोहराता है।
- इसके विरुद्ध, जिन विद्यार्थियों ने दोनों भाषाएँ साथ रखीं, उनके लिए यह परीक्षा असामान्य रूप से अनुकूल है। इस पोर्टल की अधिकांश केंद्रीय परीक्षाओं में — विशेषकर सी.जी.एल. एवं सी.एच.एस.एल. में — अंग्रेज़ी हिंदी माध्यम के अभ्यर्थी के लिए सबसे बड़ी चुनौती होती है। यहाँ स्थिति उलट जाती है: हिंदी पर आपकी पकड़ योग्यता है, बाधा नहीं, और प्रतिस्पर्धा भी उन्हीं तक सीमित रहती है जिन्होंने दोनों भाषाओं में स्नातकोत्तर स्तर तक काम किया हो। यह संवर्ग छोटा है, पर उसमें पहुँचने वाले भी थोड़े ही हैं।
- चयन दो प्रश्न-पत्रों से होता है और उनका स्वरूप भिन्न है। पहला वस्तुनिष्ठ है, जिसमें सामान्य हिंदी एवं सामान्य अंग्रेज़ी आती है। दूसरा वर्णनात्मक है, जिसमें अनुवाद एवं निबंध लिखने होते हैं — और यही वह चरण है जो वास्तव में छँटनी करता है। वर्णनात्मक प्रश्न-पत्र के लिए तैयारी लिखकर ही होती है, पढ़कर नहीं; प्रतिदिन अनुवाद करने एवं उसे जाँचने का अभ्यास ही इसमें काम आता है। विस्तृत योजना उसी चक्र की विज्ञप्ति एवं आयोग की परीक्षा-योजना में मिलती है।
- एक सावधानी: पे मैट्रिक्स के स्तर की संख्या राज्य एवं केंद्र में एक जैसी नहीं होती। केंद्र के मैट्रिक्स का लेवल 6 ₹35,400 एवं लेवल 7 ₹44,900 है, जबकि राजस्थान के मैट्रिक्स की संख्याएँ भिन्न मूल्य रखती हैं। तुलना रुपये के आँकड़े से करें, स्तर की संख्या से नहीं।

5 कहाँ से पढ़ें

सरकारी संस्थान

- University of Rajasthan and the state universities — M.A. in Hindi and in English — जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, अजमेर एवं कोटा (https://uniraj.ac.in/)
- Government colleges across Rajasthan — B.A. with both Hindi and English, which is the combination this route needs — लगभग हर ज़िले में (https://hte.rajasthan.gov.in/)
- Vardhman Mahaveer Open University, Kota — for completing a degree or Master's alongside work — कोटा, राजस्थान (https://www.vmou.ac.in/)
- Central Institute of Indian Languages — material on translation and terminology — मैसूर, भारत सरकार (https://www.ciil.org/)

ऑनलाइन

- कर्मचारी चयन आयोग — विज्ञप्ति एवं योग्यता की विस्तृत शब्दावली — स्नातक स्तर की शर्त यहीं शब्दशः पढ़ें (https://ssc.gov.in/)
- राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय — राजभाषा नीति एवं सरकारी शब्दावली — यही नीति इस पूरे संवर्ग का आधार है (https://rajbhasha.gov.in/)
- एस.एस.सी. — पिछले वर्षों के प्रश्न-पत्र (निःशुल्क) — वर्णनात्मक प्रश्न-पत्र के अभ्यास के लिए (https://ssc.gov.in/for-candidates/previous-year-question-paper)
- आर.एस.एस.बी. — पिछले प्रश्न-पत्र, उत्तर कुंजी व पाठ्यक्रम (निःशुल्क) — राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की आधिकारिक साइट — तैयारी के लिए सबसे भरोसेमंद निःशुल्क सामग्री (https://rsmssb.rajasthan.gov.in/show_archived?menuName=Xj4lCb9vGxpQnfLs%2FxlZ2g%3D%3D)
- विभागीय सेवा नियम (कार्मिक विभाग) — पद की योग्यता व आयु मूल दस्तावेज़ में पढ़ें — कार्मिक विभाग हर संवर्ग के सेवा नियम प्रकाशित करता है। किसी भी कोचिंग सामग्री से पहले यही पढ़ें — योग्यता, आयु और भर्ती की विधि यहीं तय होती है। (https://dop.rajasthan.gov.in/)
- स्वयं (SWAYAM) — भारत सरकार के निःशुल्क ऑनलाइन कोर्स — निःशुल्क (https://swayam.gov.in/)
- राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय (NDLI) — निःशुल्क पुस्तकें व अध्ययन सामग्री (https://ndl.iitkgp.ac.in/)
- एन.सी.ई.आर.टी. — निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें — सामान्य ज्ञान, गणित व विज्ञान की नींव (https://ncert.nic.in/)

फ़ीस

इस राह की लागत कम है और वह लगभग पूरी तरह एक साधारण स्नातक एवं स्नातकोत्तर की लागत है। राजस्थान के राजकीय महाविद्यालयों में बी.ए. तथा राजकीय विश्वविद्यालयों में हिंदी अथवा अंग्रेज़ी की एम.ए. बहुत कम शुल्क पर हो जाती है, और यदि पढ़ाई काम के साथ करनी हो तो वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा से दोनों की जा सकती हैं। कोई महँगा व्यावसायिक पाठ्यक्रम अथवा प्रमाण-पत्र आवश्यक नहीं। जो एक बात पैसे से अधिक महत्त्वपूर्ण है वह विषयों का चुनाव है, और वह निःशुल्क है: स्नातक में दोनों भाषाएँ साथ रखना इस पूरी राह की एकमात्र वास्तविक "फ़ीस" है, और वह प्रवेश-पत्र भरते समय चुकानी पड़ती है, बाद में नहीं। तैयारी के लिए भी खर्च कम है — अनुवाद का अभ्यास सरकारी सामग्री से किया जाता है, जो निःशुल्क उपलब्ध है: मंत्रालयों की वार्षिक रिपोर्ट, अधिसूचनाएँ एवं परिपत्र दोनों भाषाओं में प्रकाशित होते हैं और उन्हें आमने-सामने रखकर पढ़ना इस परीक्षा की सबसे अच्छी तैयारी है। राजभाषा विभाग की शब्दावली भी निःशुल्क है। राजस्थान के अनुसूचित जाति, जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अति पिछड़ा वर्ग, ई.डब्ल्यू.एस. एवं अल्पसंख्यक वर्ग के विद्यार्थियों के लिए मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना में एस.एस.सी. की परीक्षाएँ सम्मिलित हैं।

छात्रवृत्तियाँ

- Mukhyamantri Anuprati Coaching Yojana (free coaching, apply via SSO) (https://sso.rajasthan.gov.in/signin)
- Rajasthan Social Justice and Empowerment Dept scholarships (https://sje.rajasthan.gov.in/)
- National Scholarship Portal (NSP) (https://scholarships.gov.in/)
- Buddy4Study scholarship search (https://www.buddy4study.com)

6 काम कैसा होता है

कहाँ काम

भारत सरकार के मंत्रालय, विभाग, अधीनस्थ कार्यालय एवं उपक्रम — प्रायः दिल्ली एवं बड़े नगरों में, यद्यपि तैनाती देश में कहीं भी हो सकती है। काम पूरी तरह कार्यालय के भीतर होता है।

कार्य-संस्कृति

यह शांत, एकाग्र एवं पाठ-आधारित काम है और उसकी लय दिनभर लगभग एक जैसी रहती है — दस्तावेज़ आते हैं, उनका अनुवाद होता है, उसे जाँचा जाता है, और वह आगे जाता है। दबाव मौसमी होता है: बजट, संसद-सत्र, वार्षिक प्रतिवेदन अथवा किसी बड़ी अधिसूचना के समय समय-सीमा कड़ी हो जाती है, शेष समय गति सामान्य रहती है। इस पद की सबसे बड़ी माँग सटीकता की है, और उसका कारण व्यावहारिक है: सरकारी अनुवाद केवल भाषा का काम नहीं, विधिक अर्थ का काम है। यदि किसी नियम के हिंदी एवं अंग्रेज़ी पाठ में अंतर रह जाए तो वह अंतर आगे व्याख्या का प्रश्न बन जाता है। इसलिए यहाँ "लगभग ठीक" अनुवाद जैसी कोई चीज़ नहीं होती। दूसरा पक्ष यह है कि काम प्रायः अदृश्य रहता है — जो अधिसूचना आप अनुवाद करते हैं वह हज़ारों लोग पढ़ते हैं, पर उस पर नाम किसी का नहीं होता। जिसे कार्य में दृश्यता चाहिए उसके लिए यह उपयुक्त नहीं; जिसे भाषा एवं शुद्धता में संतोष मिलता है, उसके लिए यह असामान्य रूप से अच्छा पद है, और उसमें समय भी निश्चित रहता है।

कौन नौकरी देता है

- भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालय एवं विभाग
- केंद्र सरकार के अधीनस्थ कार्यालय एवं निदेशालय
- सार्वजनिक उपक्रम एवं बैंक, जहाँ राजभाषा अधिकारी के पद होते हैं
- राज्य सरकार एवं न्यायालय, जहाँ अनुवाद के समान पद हैं

माँग (2026)

राजभाषा नीति के कारण केंद्र सरकार में अनुवाद की आवश्यकता वैधानिक है और वह किसी एक विभाग तक सीमित नहीं — हर मंत्रालय, हर बड़ा कार्यालय एवं अनेक उपक्रम इस संवर्ग के पद रखते हैं। इसलिए माँग स्थिर है, यद्यपि संवर्ग का आकार सी.जी.एल. अथवा सी.एच.एस.एल. जैसी बड़ी भर्तियों की तुलना में छोटा है और रिक्तियाँ हर वर्ष बड़ी संख्या में नहीं आतीं। इस पद की प्रतिस्पर्धा का गणित असामान्य है और उसे समझना उपयोगी है: आवेदक कम होते हैं क्योंकि योग्यता की शर्त संकीर्ण है — स्नातकोत्तर के साथ स्नातक स्तर पर दूसरी भाषा — पर उन कम आवेदकों में भी वे बहुत कम रह जाते हैं जो वर्णनात्मक अनुवाद के प्रश्न-पत्र में वास्तव में अच्छा लिख पाते हैं। जो व्यक्ति दोनों भाषाओं में सचमुच काम कर सकता है, उसके लिए यह इस पोर्टल की सबसे अनुकूल केंद्रीय परीक्षाओं में से एक है। साथ ही यही योग्यता कई अन्य दिशाओं में चलती है: सार्वजनिक उपक्रमों एवं बैंकों के राजभाषा अधिकारी, न्यायालयों एवं राज्य सरकार के अनुवाद पद, प्रकाशन एवं संपादन, तथा स्वतंत्र अनुवाद-कार्य। इसलिए तैयारी एक ही पद पर निर्भर नहीं रहती। एक बात स्पष्ट रहे — ऊपर दी गई "माँग" पदों की संख्या बताती है, आपके चयन की संभावना नहीं। चयन खुली प्रतियोगिता से होता है और आवेदन करने वालों की संख्या पदों से कई गुना अधिक रहती है, इसलिए अधिकांश अभ्यर्थी किसी एक भर्ती में चयनित नहीं हो पाते। यह इस करियर के विरुद्ध तर्क नहीं है — बस इसे अपनी एकमात्र योजना न बनाएँ। तैयारी के साथ-साथ पढ़ाई जारी रखें या कोई कौशल सीखें, ताकि परिणाम चाहे जो हो, वर्ष व्यर्थ न जाए।

7 आगे बढ़ने का रास्ता

1. कनिष्ठ हिंदी अनुवादक / कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी / कनिष्ठ अनुवादक — प्रवेश-पद, केंद्रीय पे मैट्रिक्स लेवल 6 (मूल ₹35,400)
2. वरिष्ठ अनुवादक — इसी परीक्षा से तथा पदोन्नति से भी; लेवल 7 (मूल ₹44,900)
3. हिंदी प्राध्यापक — प्रशिक्षण एवं शिक्षण की दिशा, इसी परीक्षा से भरा जाने वाला पद
4. सहायक निदेशक (राजभाषा) एवं उससे ऊपर — विभागीय पदोन्नति द्वारा राजभाषा संवर्ग का वरिष्ठ स्तर

कमाई

शुरुआत	केंद्रीय पे मैट्रिक्स लेवल 6 — मूल वेतन ₹35,400 (कनिष्ठ अनुवादक)
मध्य स्तर	₹55,000 – ₹75,000 (भत्तों सहित, वरिष्ठ अनुवादक के स्तर पर)
वरिष्ठ स्तर	₹90,000 से अधिक (भत्तों सहित, सहायक निदेशक एवं उससे ऊपर)

आरंभिक आँकड़ा केंद्रीय पे मैट्रिक्स के लेवल 6 का पहला खाना है, जो आयोग की अपनी वेतन-सूची से लिया गया है; वरिष्ठ अनुवादक के पद लेवल 7 पर आते हैं, जिसका पहला खाना ₹44,900 है। ये मूल वेतन हैं; महँगाई भत्ता, मकान किराया भत्ता एवं यात्रा भत्ता इन पर अलग से जुड़ते हैं, और चूँकि इस संवर्ग के अनेक पद दिल्ली एवं बड़े नगरों में होते हैं, मकान किराया भत्ता यहाँ प्रायः बड़ा अंतर लाता है। ध्यान देने योग्य बात यह है कि यह स्तर कक्षा 12 माँगने वाली केंद्रीय भर्तियों से काफ़ी ऊपर है, और उसका कारण यही है कि यह स्नातकोत्तर के साथ दो भाषाओं की योग्यता माँगता है। एक सावधानी: पे मैट्रिक्स के स्तर की संख्या राज्य एवं केंद्र में एक जैसी नहीं होती; तुलना रुपये से करें, स्तर की संख्या से नहीं। मध्य एवं वरिष्ठ स्तर के आँकड़े अनुमानित हैं और किसी आधिकारिक वेतन-पत्रक से पुष्ट नहीं; उन्हें दिशा समझें, वचन नहीं। शुरुआती वेतन का आँकड़ा मूल वेतन है, ताकि इसे दूसरे करियर के साथ सीधे तुलना किया जा सके। इस पर महँगाई भत्ता (1 जनवरी 2026 से मूल वेतन का 60%) एवं मकान किराया भत्ता अलग से जुड़ते हैं, इसलिए हाथ में आने वाली राशि इससे काफ़ी अधिक होती है। मध्य-स्तर व वरिष्ठ स्तर के आँकड़े भत्तों सहित अनुमानित मासिक आय हैं, मूल वेतन नहीं। ध्यान दें — राजस्थान में सीधी भर्ती से लगे कर्मचारी पहले 2 वर्ष परिवीक्षाधीन प्रशिक्षणार्थी रहते हैं और इस अवधि में वेतनमान नहीं, बल्कि एक नियत पारिश्रमिक मिलता है; इन दो वर्षों में महँगाई भत्ता व मकान किराया भत्ता देय नहीं होते (राजस्थान सेवा नियम, नियम 7(30क))। पूरा वेतनमान परिवीक्षा पूरी होने के बाद लागू होता है। ऊपर दिए गए आँकड़े राजस्थान के सातवें वेतन मैट्रिक्स पर आधारित हैं, जो 17 अगस्त 2026 तक लागू है। आठवें केंद्रीय वेतन आयोग के गठन की शर्तें 28 अक्टूबर 2025 को स्वीकृत हुई थीं और आयोग को गठन से 18 माह के भीतर सिफ़ारिशें देनी हैं। राज्य सरकारें केंद्रीय वेतन आयोग की सिफ़ारिशें आमतौर पर कुछ संशोधनों के साथ, और कुछ देर से, लागू करती हैं — इसलिए राजस्थान का वेतनमान भी आगे संशोधित होगा, यद्यपि कब और कितना, यह अभी तय नहीं है।

8 अच्छी बातें · चुनौतियाँ

अच्छी बातें

- हिंदी माध्यम की पृष्ठभूमि यहाँ पूँजी है, बाधा नहीं — इस पोर्टल की अधिकांश केंद्रीय परीक्षाओं से उल्टा
- संकीर्ण योग्यता का दूसरा पहलू — आवेदक कम, और वर्णनात्मक चरण तक पहुँचने वाले उससे भी कम
- शांत, निश्चित समय वाला कार्यालय-कार्य, जिसमें दबाव मौसमी है
- वही योग्यता बैंकों एवं उपक्रमों के राजभाषा पदों, न्यायालयों तथा प्रकाशन में भी चलती है

चुनौतियाँ

- योग्यता की शर्त स्नातक स्तर पर लगती है और उसे बाद में सुधारा नहीं जा सकता
- संवर्ग छोटा है और रिक्तियाँ हर वर्ष बड़ी संख्या में नहीं आतीं
- वर्णनात्मक अनुवाद का प्रश्न-पत्र वास्तविक छँटनी करता है और उसकी तैयारी लिखकर ही होती है
- काम अदृश्य रहता है — अनुवाद आगे जाता है, नाम नहीं

9 स्रोत व आगे पढ़ें

1. कर्मचारी चयन आयोग — आधिकारिक वेबसाइट — https://ssc.gov.in/

2. एस.एस.सी. — परीक्षा योजना — https://ssc.gov.in/for-candidates/scheme-of-examination

3. राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय — राजभाषा नीति — https://rajbhasha.gov.in/

4. एस.एस.सी. — पिछले वर्षों के प्रश्न-पत्र — https://ssc.gov.in/for-candidates/previous-year-question-paper

5. राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड (आधिकारिक) — https://rssb.rajasthan.gov.in/

6. कार्मिक विभाग, राजस्थान — सेवा नियम — https://dop.rajasthan.gov.in/

7. आठवाँ केंद्रीय वेतन आयोग — मंत्रिमंडल की स्वीकृति (पी.आई.बी., 28 अक्टूबर 2025) — https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2183289

और 770+ करियर — पूरा पोर्टल

रुचि व योग्यता परीक्षण, सरकारी नौकरियाँ, कौशल पाठ्यक्रम, बायोडाटा बनाने की सुविधा — सब मुफ़्त, बिना लॉगिन, इंटरनेट के बिना भी।

career.gsssjethantri.in